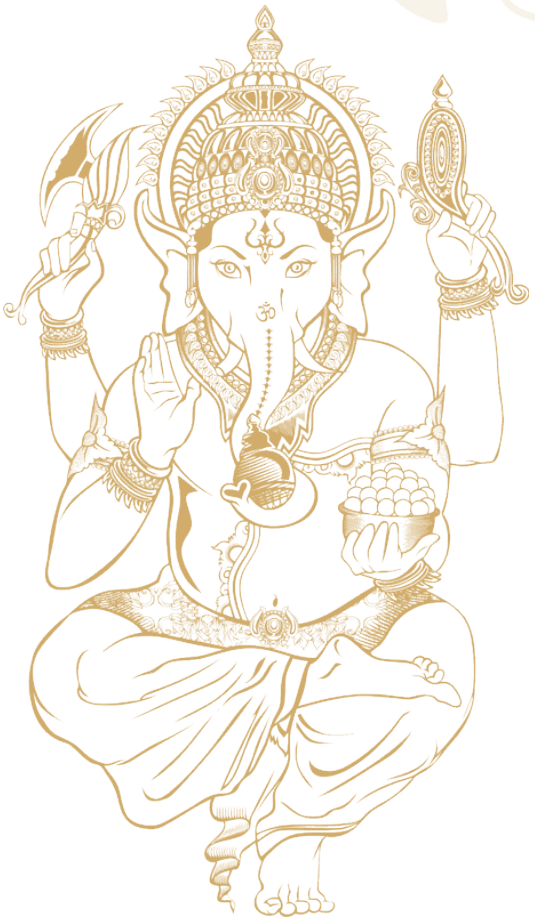

Yashwinii

01 Jan 2003

01:15 PM

Pali Marwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120772104

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/01/2003**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**13:15:00 घंटे**
इष्ट	14:39:53 घटी
स्थान	**Pali Marwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:46:00 उत्तर
रेखांश	73:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:38:44 घंटे
वेलान्तर	-00:03:20 घंटे
साम्पातिक काल	19:20:57 घंटे
सूर्योदय	07:23:02 घंटे
सूर्यास्त	17:56:24 घंटे
दिनमान	10:33:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:34:17 धनु
लग्न के अंश	03:26:59 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:26:59	468:59:04	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	---
सूर्य			धनु	16:34:17	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	26:43:23	14:09:57	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	नीच राशि
मंगल			तुला	25:52:53	00:38:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
बुध			मक	04:22:40	00:15:34	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु	व		कर्क	22:57:59	00:05:12	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	00:04:47	00:56:28	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	सम राशि
शनि	व		मिथु	00:31:31	00:04:39	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	14:35:04	00:01:18	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	14:35:04	00:01:18	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	02:22:55	00:02:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप			मक	15:40:49	00:02:03	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	24:23:47	00:02:10	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			धनु	24:47:25	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:41

लग्न-चलित

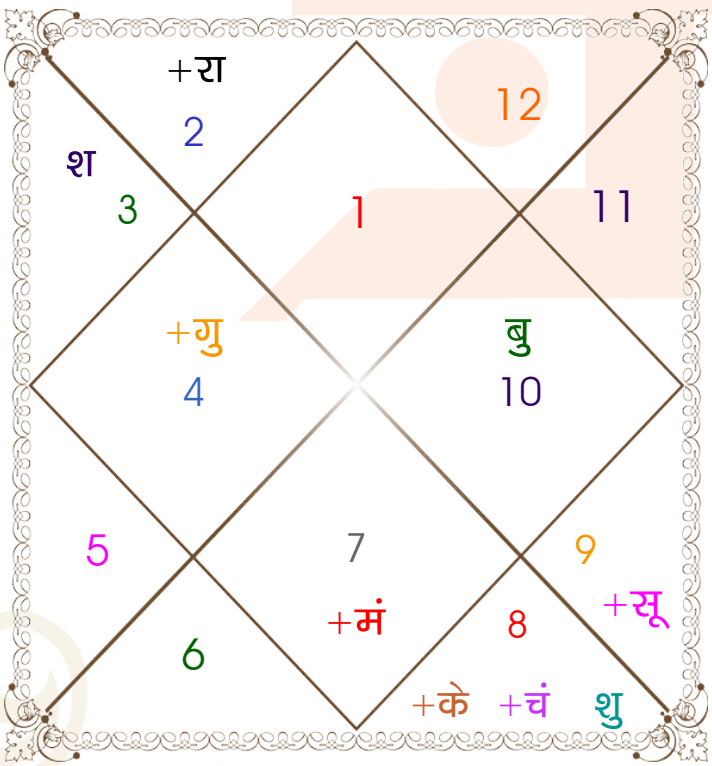

चन्द्र कुंडली

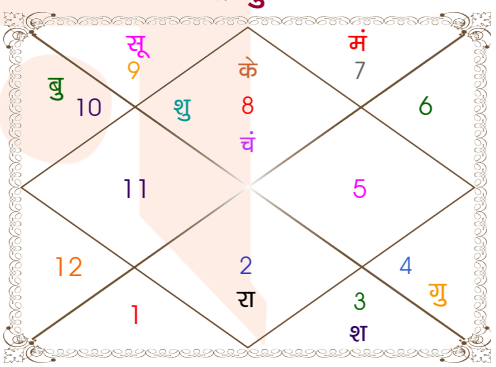

नवमांश कुंडली

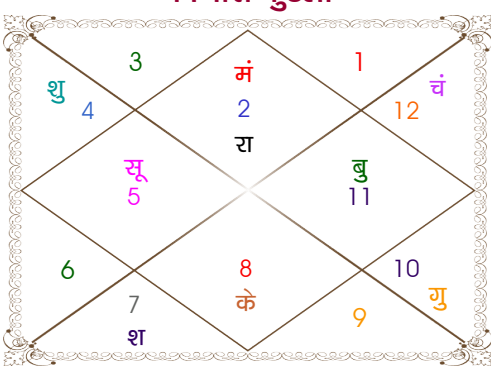

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 2 मास 4 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/01/2003		07/03/2007		07/03/2014		07/03/2034		06/03/2040	
07/03/2007		07/03/2014		07/03/2034		06/03/2040		07/03/2050	
	00/00/0000	केतु	03/08/2007	शुक्र	06/07/2017	सूर्य	24/06/2034	चंद्र	05/01/2041
	00/00/0000	शुक्र	02/10/2008	सूर्य	07/07/2018	चंद्र	24/12/2034	मंगल	06/08/2041
	00/00/0000	सूर्य	07/02/2009	चंद्र	06/03/2020	मंगल	01/05/2035	राहु	05/02/2043
	00/00/0000	चंद्र	08/09/2009	मंगल	07/05/2021	राहु	25/03/2036	गुरु	06/06/2044
	00/00/0000	मंगल	04/02/2010	राहु	06/05/2024	गुरु	11/01/2037	शनि	05/01/2046
	00/00/0000	राहु	23/02/2011	गुरु	05/01/2027	शनि	24/12/2037	बुध	06/06/2047
	01/01/2003	गुरु	30/01/2012	शनि	07/03/2030	बुध	30/10/2038	केतु	06/01/2048
गुरु	27/06/2004	शनि	10/03/2013	बुध	05/01/2033	केतु	07/03/2039	शुक्र	05/09/2049
शनि	07/03/2007	बुध	07/03/2014	केतु	07/03/2034	शुक्र	06/03/2040	सूर्य	07/03/2050

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/03/2050		07/03/2057		07/03/2075		07/03/2091		08/03/2110	
07/03/2057		07/03/2075		07/03/2091		08/03/2110		00/00/0000	
मंगल	03/08/2050	राहु	18/11/2059	गुरु	24/04/2077	शनि	10/03/2094	बुध	04/08/2112
राहु	22/08/2051	गुरु	12/04/2062	शनि	06/11/2079	बुध	17/11/2096	केतु	01/08/2113
गुरु	27/07/2052	शनि	16/02/2065	बुध	11/02/2082	केतु	27/12/2097	शुक्र	01/06/2116
शनि	05/09/2053	बुध	06/09/2067	केतु	17/01/2083	शुक्र	27/02/2101	सूर्य	07/04/2117
बुध	02/09/2054	केतु	23/09/2068	शुक्र	17/09/2085	सूर्य	09/02/2102	चंद्र	07/09/2118
केतु	30/01/2055	शुक्र	24/09/2071	सूर्य	07/07/2086	चंद्र	10/09/2103	मंगल	04/09/2119
शुक्र	31/03/2056	सूर्य	18/08/2072	चंद्र	06/11/2087	मंगल	19/10/2104	राहु	23/03/2122
सूर्य	06/08/2056	चंद्र	17/02/2074	मंगल	12/10/2088	राहु	26/08/2107	गुरु	02/01/2123
चंद्र	07/03/2057	मंगल	07/03/2075	राहु	07/03/2091	गुरु	08/03/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।